तर्ज--आहे वश मल्ले

वाला जी मेरे वाला जी मेरे
खातिर रन्हों के यहां आए है,
मस्ती के आलम छाए है
गाओ रूहों,नाचो रूहों,
मौज मनाओ पिउ के संग
दुल्हन बनकर संग चलो तुम,
न शरमाओ पिउ के संग

1--आया है चल के साहेब मेरा
क्या जाने दुनिया भेद ये गहरा
ये दौलते इश्क लेकर, आए है सरकार मेरे

2--इक इक रूह को बोलें आजा
मेरे ही प्याले से मुझको पिला जा
जो दिल हक का देखें, तो पूरा है पुन्ज इश्क का

3--भूल गई हम वो नही भूले
हाथ पकड़ा आकर उसने
कदमो पे उनके चल के, हम माया से निकल के

Nijanand App